बुरे वक्त को कभी बुलाया नहीं जाता, और अच्छे वक्त को मेहनत करके हासिल करना पड़ता है।

तेवर वही, अंदाज नया .....!

डाक पंजीयन संख्या मालवा संभाग
L2/65/RNP/397/2024-26

साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

Connect with Ujjain Times : www.ujjaintimes.in @UjjainTimes UjjainTimes UjjainTimes734 Channel : Ujjain Times

● वर्ष : 63, अंक : 44 ● उज्जैन, युगाब्ध-5126, विक्रम संवत् 2081 मंगलवार दिनांक 30-07-2024 से 05-08-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

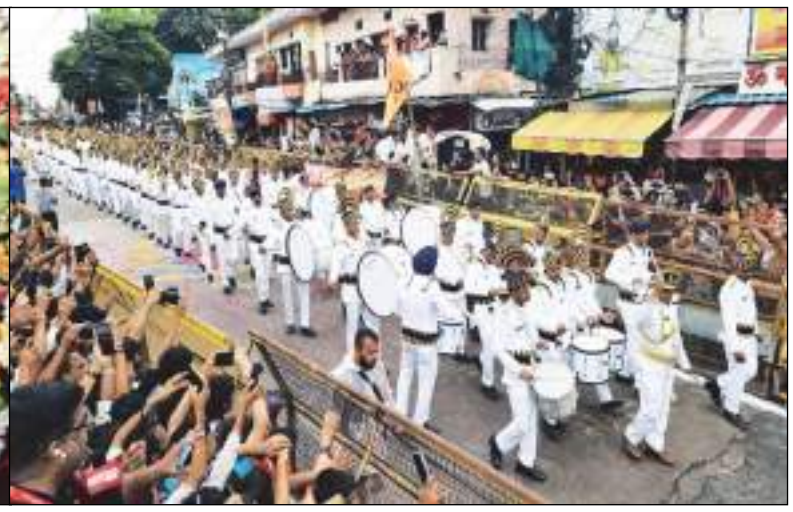

श्रावण के दूसरे सोमवार को बाबा महाकाल पालकी में विराजित हो निकले नगर भ्रमण पर

उज्जैन। उज्जैन में श्रावण माह के दूसरे सोमवार शाम को महाकाल की सवारी धूमधाम से निकली। बाबा महाकाल ने भक्तों को दो स्वरूप में दर्शन दिए। पालकी में भगवान चंद्रमौलेश्वर के स्वरूप में और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में विराजित होकर प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। पहली बार 350 जवानों का विशेष पुलिस बैंड भी सवारी के साथ-साथ चला।

भगवान महाकाल की सवारी के गौरवशाली इतिहास में सोमवार को नया अध्याय जुड़ गया। सवारी में पहली बार पुलिस ब्रॉस बैंड के 350 जवानों की सुमधुर प्रस्तुति ने सवारी के उत्साह, उमंग और आकर्षण को भव्यता दी। सवारी मार्ग से लेकर क्षिप्रा तट के पावन रामघाट पर बाबा महाकाल की सवारी के पूजन के दौरान पुलिस बैंड द्वारा विशेष प्रस्तुतियाँ दी गई, जिसमें समधुर धार्मिक धुनों की प्रस्तुति से श्रद्धालु झूम उठें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा महाकाल की सवारी में अद्भुत प्रस्तुति देने के लिए पुलिस बैंड को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

श्रावण के दूसरे सोमवार को भगवान महाकालेश्वर पालकी में चन्द्रमौलेश्वर रूप में और हाथी पर मनमहेश के स्वरूप में अपने भक्तों को दर्शन देने और अपनी प्रजा का कुशल-मंगल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के सभा मंडप में पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल ने सपत्नीक भगवान महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन कर आरती की। पूजन-अर्चन शासकीय पुजारी पं. घनश्याम शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया।

मंदिर में श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, विधायक महेश परमार, नगर निगम सभापति कलावती यादव, राजपाल सिंह सिसोदिया, बहादुर सिंह बोरमुंडला, मुकेश भाटी, विकास वीरानी सहित वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भगवान महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन कर आरती में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की विशेष पहल पर प्रशिक्षित 350 जवानों के पुलिस बैंड की प्रस्तुति ने भगवान महाकाल की सवारी को और अधिक भव्यता प्रदान की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने पुलिस बैंड की महत्ता पर बल देते हुए हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना और इसके लिए इच्छुक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें बैंड में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा था। उनके निर्देश पर प्रदेश की पुलिस इकाइयों में पुलिस कर्मचारियों को बैंड वादन व विभिन्न वाद्य यंत्रों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित जवानों ने आज बाबा महाकाल की सवारी में प्रस्तुति दी।

पुलिस बैंड द्वारा नमः शिवाय नमः शिवाय, हर हर शंभू, देवा महादेवा, जय शिव ओमकारा, सत्यम शिवम सुन्दरम आदि शिव भजनों की मधुर धुनों की प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु मन भरकर झूमें। पुलिस बैंड द्वारा सवारी में प्रस्तुति के प्रशिक्षण भी किया गया। पुलिस बैंड द्वारा रामघाट पर विशेष प्रस्तुति दी गई। बाबा महाकाल की श्रावण मास की दूसरी सवारी में छिंदवाड़ा और डिंडोरी जिले के जनजाति कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। छिंदवाड़ा से आए कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा कुर्ता, धोती और पगड़ी पहनकर मांदल, ढोल आदि वाद्ययंत्रों पर भड़म नृत्य की आकषर्क प्रस्तुतियां दीं। वहीं डिंडोरी जिले के जनजातीय कलाकारों ने थिसकी, बांसुरी, मादल, टिमकी आदि वाद्य यंत्रों पर कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां ने सवारी में समां बांधा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप बाबा महाकाल की सवारियों में प्रदेश के विभिन्न जनजातीय जिलों के जनजातीय कलाकारों का समूह शामिल हो रहा हैं। भगवान महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मंदिर से प्रस्थान कर जैसे ही रामघाट पहुँची, चारों ओर श्रद्धा और उल्लास का वातावरण छा गया। श्रावण में अपने सौन्दर्य की छटा बिखेरते हुए स्वयं प्रकृति भगवान महाकाल का स्वागत करने के लिए आतुर थी। भगवान महाकालेश्वर का पूजन और जलाभिषेक पुजारी आशीष गुरु आदि द्वारा किया गया। भगवान महाकालेश्वर चंद्रमौलेश्वर स्वरुप में अपने भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए क्षिप्रा तट पर पहुँचे।

शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल

महर्षि सांदीपनि पब्लिक हाई स्कूल विगत 24 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। उज्जैन शहर में 13 बच्चों की संख्या से प्रारंभ विद्यालय आज 1500 बच्चों का सुखद भविष्य गढने हेतु प्रयत्नरत है। विद्यालय अपनी प्री प्रायमरी नर्सरी व के.जी. की कक्षाओं में नवाचार के लिए प्रसिद्ध है। अपने पाल्य के प्रवेश हेतु निवेदन है कि एक बार अवश्य विद्यालय का अवलोकन करे।

प्राचार्य
● भारती महेश तिवारी

सम्पादकीय

तीन छात्रों की दर्दनाक मौत

राष्ट्रीय राजधानी के पुराने राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की त्रासद मौत के बाद नगर संस्थाओं और कानून व्यवस्था की एजेंसियों की सक्रियता संतोष की बात है। कोई आश्चर्य नहीं कि हर जिम्मेदार संस्था खुद को बचाने में लग गई है और आरोपियों के खिलाफ पूरी कड़ाई भी बरती जा रही है। दिल्ली नगर निगम ने रविवार को शहर के 13 अन्य सिविल सर्विस कोचिंग सेंटरों के बेसमेंट को सील कर दिया है। पीड़ित और आक्रोशित छात्र कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और सरकारी संस्थाओं को बेहिचक सुधार पर ध्यान देना चाहिए। जो भी सेंटर बेसमेंट या भूतल में चल रहे हैं, उनको बंद कराना जरूरी है। इसमें कोई शक नहीं कि कम किराये और अधिकतम फायदे के लिए ऐसे कोचिंग संचालक बेसमेंट को तरजीह देते हैं। मगर क्या बेसमेंट या खासकर प्रतिकूल मौसम में इनमें कक्षाओं का आयोजन बंद नहीं होना चाहिए? क्या जरा भी आशंका नहीं थी कि बेसमेंट में पानी जानलेवा भी हो सकता है? पुलिस ने छह से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पर वास्तव में कार्रवाई उन लोगों पर होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह थे। पहली नजर में कोचिंग सेंटर ने अक्षम्य लापरवाही का परिचय दिया। जब घटना शाम 6ः35 बजे घटी, तब पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को सूचना शाम 7ः10 बजे क्यों दी गई? पानी इतना भर गया कि डूबे हुए छात्रों तक पहुंचने के लिए गोताखोरों को बुलाना पड़ा। अगर हम पीछे पलटकर देखेंगे, तो इंतजाम में अनगिनत कमियां नजर आएंगी, मगर अब जरूरत आगे की सुध लेने की है। आज हो क्या रहा है?

दोषारोपण का दौर चल रहा है। दिल्ली की व्यवस्था के लिए जिम्मेदार संस्थाएं और नेता एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए हैं, तो इससे चिंता ही बढ़ती है। एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे लोग अगर दिल्ली की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करते, तो शायद यह हादसा ही नहीं होता। दिल्ली में भवनों से जुड़े अनापत्ति-प्रमाणपत्र कैसे लिए-दिए जा रहे हैं?

जहां पार्किंग और भंडारण की सुविधा होनी चाहिए थी, वहां पुस्तकालय और कक्षाएं कैसे चल रही हैं? इस हादसे के बाद दिल्ली में भवन व्यवस्था में सुधार आए, तो बात बने। आज छात्र सुधारों की मांग कर रहे हैं, पर उनके साथ कौन खड़ा है? देश भर से छात्र पढ़ने के लिए दिल्ली आते हैं, क्योंकि उनको यहां की व्यवस्थाओं पर भरोसा है। वे दिल्ली को अपने गांव-शहर से बेहतर जगह मानते हैं। मगर अब दिल्ली को सोचना चाहिए कि वह देश की उम्मीदों पर कितनी खरी उतर रही है?

सावन में विशेष महत्व है कावड़ यात्रा का

कावड़ का अर्थ है परात्पर शिव के साथ विहार। अर्थात् ब्रह्म यानी परात्पर शिव, जो उनमें रमण करे वह कांवड़िया। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास में लाखों की तादाद में कांवड़िए दूर-दराज से आते हैं और अपने आसपास के स्थानों से गंगा जल भरते हैं, तत्पश्चात् पदयात्रा कर अपने-अपने स्थानों को वापस लौट जाते हैं। इसी यात्रा को कावड़ यात्रा कहा जाता है। फिर चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है और शिव जी से अपनी और अपनों की सुख शांति की प्रार्थना की जाती है। कहने के लिए तो ये बस एक धार्मिक आयोजन मात्र है, लेकिन इसका सामाजिक और धार्मिक महत्व बहुत है। इसका सामाजिक सरोकार भी है।

कावड़ के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए है। जल आम आदमी के साथ-साथ पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों, धरती में निवास करने वाले हजारों-लाखों तरह के कीड़े-मकोड़ों और समूचे पर्यावरण के लिए बेहद आवश्यक तत्व है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति को देखें तो यहां के मैदानी इलाकों में मानव जीवन नदियों पर ही आश्रित है। कांवड़िए जलस्रोत से एक बार जल भरकर उसे अभीष्ट कर्म के पूर्व अर्थात् शिवजी को अर्पण करने के पहले भूमि पर नहीं रखते हैं। इसके मूल में भावना यह है कि जलस्रोत से प्रभु को सीधे जोड़ा है जिससे धारा प्राकृतिक रूप से उन पर बनी रहे एवं उनकी कृपा हमारे ऊपर भी सतत् धारा के अनुसार बहती रहे जिससे संसार सागर को सुगमता से पार किया जा सके।

भोलेनाथ के भक्त यूं तो साल भर कावड़ चढ़ाते रहते हैं, लेकिन सावन में इसकी धूम कुछ ज्यादा ही रहती है क्योंकि यह मास भगवान शिव को समर्पित है। अब तो उत्तर भारत में खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी व पूर्वी यूपी में कावड़ यात्रा एक पर्व कुंभ मेले के समान एक महाआयोजन का रूप ले चुकी है। काशी और देवघर में भी कावड़ यात्रा का खासा महत्व है। पिछले डेढ़ दशक में कावड़ यात्रा की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि भगवान शिव पर सबसे पहले कावड़ किसने चढ़ाया और इसकी शुरुआत कैसे हुई। कुछ कथाओं के भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देव शिव के नियमित पूजन के लिए पुरा महादेव में मंदिर की स्थापना कर कावड़ में गंगाजल से पूजन कर कावड़ परंपरा की शुरुआत की, जो आज भी देशभर में काफी प्रचलित है। कावड़ की परंपरा चलाने वाले भगवान परशुराम की पूजा भी श्रावण मास में की जानी चाहिए। पौराणिकता मान्यता है कि कावड़ यात्रा एवं शिवपूजन का आदिकाल से ही अन्योन्याश्रित संबंध है। महाकवि कालिदास ने हिमालय को शिव का प्रतिरूप बताते हुए इसके सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक महत्त्व को रेखांकित किया है। यों भी कह सकते हैं कि कावड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है।

उत्तर भारत में भी गंगाजी के किनारे के क्षेत्र के प्रदेशों में कावड़ का बहुत महत्व है। राजस्थान के मारवाड़ी समाज के लोगों के यहां गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ के तीर्थ पुरोहित जो जल लाते थे और प्रसाद के साथ जल देते थे, उन्हें कांवड़िए कहते थे। ये लोग गोमुख से जल भरकर रामेश्वरम में ले जाकर भगवान शिव का अभिषेक करते थे। दरअसल, यह एक प्रचलित परंपरा थी। लगभग 6 महीने की पैदल यात्रा करके वहां पहुंचा जाता था। इसका पौराणिक तथा सामाजिक दोनों महत्व है। इससे एक तो हिमालय से लेकर दक्षिण तक संपूर्ण देश की संस्कृति में भगवान का संदेश जाता था। इसके अलावा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों की लौकिक और शास्त्रीय परंपराओं के आदान-प्रदान का बोध होता था, लेकिन अब इस परंपरा में परिवर्तन आ गया।

कावड़ यात्रा का धार्मिक महत्व तो जगजाहिर है, लेकिन इस कावड़ यात्रा से वैज्ञानिकों ने उत्तम स्वास्थ्य भी जोड़ दिया है। प्रकृति के इस खूबसूरत मौसम में जब चारों तरफ हरियाली छाई रहती है तो कावड़ यात्री भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए पैदल चलते हैं। पैदल चलने से हमारे आसपास के वातावरण की कई चीजों का सकारात्मक प्रभाव हमारे मन मस्तिष्क पर पड़ता है। चारों तरफ फैली हरियाली आंखों की रोशनी बढ़ाती है। वहीं ओस की बूंदे नंगे पैरों को ठंडक देती हैं तथा सूर्य की किरणें शरीर को रोगमुक्त बनाती हैं। ये यात्रा प्रकृति और मानव के संबंधों में नई उष्मा, निकटता एवं प्रेम को बढ़ाती है। डॉक्टरों के मुताबिक धार्मिक चेतना से मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कावड़ यात्रा स्वास्थ्यप्रद होती है। पैदल, नाचते-गाते और दौड़ लगाते हुए शिवभक्त जाते हैं। इससे शरीर में खुशी के हार्मोंस जेनरेट होते हैं। व्यक्ति तनाव मुक्त हो जाता है। पैदल चलने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हार्ट और फेफड़ों को शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है।

पवित्र गंगा को स्वर्ग अर्थात् पहाड़ों से पृथ्वी अर्थात् मैदानी इलाकों में लाने के लिए महान शिव के द्वारा जिस श्रमदान का आयोजन किया गया वह उस समय अत्यंत दुष्कर कृत्य रहा होगा। पर्वतों के बीच गमन करना और श्रमदान करना निश्चित ही कोई सुगम कार्य नही रहा होगा। कितने ही किसान-श्रमिक कर्तव्य की बलिवेदी पर न्योछावर हुए होंगे।

यह बात वह शिव भक्त कांवड़िये आसानी से समझ सकते हैं जो गोमुख या उसके भी ऊपर ऊंचाइयों से जल लाने हेतु पैदल पद यात्रा करते हैं। उसी महान श्रमदान की स्मृति आज भी कावड़ के विशाल आयोजन में संरक्षित दिखाई पड़ती है।

संभवतः हताहत तथा कालकलवित हुए कृषकों व श्रमिकों की आत्मा की शांति की कामना के लिए उसी पवित्र जल से शिव को जलाभिषेक करने की उज्जवल परम्परा का विकास कावड़ यात्रा में कहीं न कहीं दृष्टिगोचर होता है। इस तथ्य से यह भी जाना जा सकता है कि जो जल हमें आज इतनी आसानी से प्राप्त है वह कितना मूल्यवान है। नदियों से दूरदराज रहने वाले लोगों को पानी का संचय करके रखना पड़ता है। हालांकि मानसून काफी हद तक इनकी आवश्यकता की पूर्ति कर देता है तदापि कई बार मानसून का भी भरोसा नहीं होता है।

ऐसे में बारहमासी नदियों का ही आसरा होता है, इसके लिए सदियों से मानव अपने इंजीनियरिंग कौशल से नदियों का पूर्ण उपयोग करने की चेष्टा करता हुआ कभी बांध तो कभी नहर तो कभी अन्य साधनों से नदियों के पानी को जल विहिन क्षेत्रों में ले जाने की कोशिश करता रहा है। लेकिन आबादी का दबाव और प्रकृति के साथ मानवीय व्यभिचार की बदौलत जल संकट बड़े रूप में उभर कर आया है। धार्मिक संदर्भ में कहें तो इंसान ने अपनी स्वार्थपरक् नियति से शिव को रूष्ट किया है। कावड़ यात्रा का आयोजन अति सुन्दर बात है। कावड़ यात्रा में शामिल हर कांवड़िए को इस महत्वपूर्ण यात्रा महत्ता व अंतर्निहित संदेश को समझना होगा। प्रतीकात्मक तौर पर कावड़ यात्रा का संदेश इतना भर है कि आप जीवनदायिनी नदियों के लोटे भर जल से जिस भगवान शिव का अभिषेक कर रहे हैं वे शिव वास्तव में सृष्टि का ही दूसरा रूप हैं।

वास्तव में, धार्मिक आस्थाओं के साथ सामाजिक सरोकारों से रची कावड़ यात्रा वास्तव में जल संचय की अहमियत को उजागर करती है। कावड़ यात्रा की सार्थकता तभी है जब आप जल बचाकर और नदियों के पानी का उपयोग कर अपने खेत-खलिहानों की सिंचाई करें और अपने निवास स्थान पर पशु-पक्षियों और पर्यावरण को पानी उपलब्ध कराएं तो प्रकृति की तरह उदार शिव सहज ही प्रसन्न होंगे। विभिन्न धर्माचार्यों का भी यही मत है शिव की सच्ची उपासना केवल पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन से ही संभव है। कलियुग में विषपान करने के लिए शिव ने ही पौधों का रूप लिया है। गंगा सहित सभी नदियां शिव की तरह जीवनदायिनी हैं। इन्हें बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

दुबई Temperature

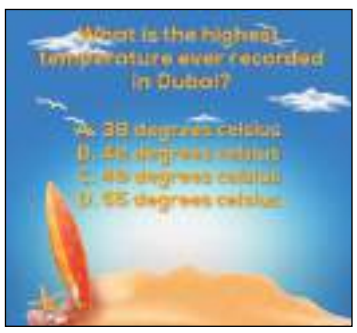

Dubai में 16 जुलाई की दोपहर 3 बजे पारा 62.22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह जानलेवा गर्मी दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रिकॉर्ड हुई। हालांकि शाम को पारा गिरकर 53.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। लेकिन इतना पारा तो किसी भी समय किसी की भी जान ले सकता है।

कैमलिन कम्पास बॉक्स

कैमलिन ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रमुख सुभाष दांडेकर का 81 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। ओम शांति (कई पीढ़ियों को उनके प्रसिद्ध उत्पादों में से एक याद होगा-स्कूलों के लिए प्रतिष्ठित कैमलिन कम्पास बॉक्स।)।

भारत में कुल प्रजनन दर अब 2 से नीचे

भारत में कुल प्रजनन दर अब 2 से नीचे गिर गई है। प्रतिस्थापन दर 2.1 है। भारत का कार्यबल 10 साल में चरम पर होगा। क्या भारत अमीर बनने से पहले ही बूढ़ा हो जाएगा।

India's T20i squad against Sri Lanka: Surya (C), Gill (VC), Jaiswal, Rinku, Parag, Pant, Sanju, Hardik, Dube, Axar, Sundar, Bishnoi, Arshdeep, Khaleel and Siraj.

आर्थिक सर्वेक्षण @ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 2014 से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वित्त वर्ष 2022 में वैश्विक बाजार में 3.7% की हिस्सेदारी तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2023 में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन बढ़कर 8.22 लाख करोड़ रुपये और निर्यात बढ़कर 1.9 लाख करोड़ रुपये हो गया।

छात्र निर्यात

हम अपने छात्रों का निर्यात कर रहे हैं। यहाँ शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में अधिक क्षमता बनाने की आवश्यकता है।

भारत को प्रति वर्ष लगभग 30 बिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है, जो भारत सरकार के बजट से भी अधिक है।

UPSC Chairman Resign

PSC के अध्यक्ष मनोज सोनी ने 2029 में अपना कार्यकाल समाप्त होने से लगभग पांच साल पहले व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। कभी यूपीएससी/राज्य पीएससी अध्यक्षों को इस तरह इस्तीफा देते नहीं देखा। साथ ही सूत्रों का कहना है कि उन्होंने लगभग एक महीने पहले इस्तीफा दे दिया था और उनका पूजा खेडकर घटना से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ बातचीत में अफवाह है कि उन्होंने पूजा खेडकर का साक्षात्कार लिया था, जहां कुछ हितों के टकराव के मामले में यूपीएससी अध्यक्ष के लिए साक्षात्कार बोर्ड का हिस्सा बनना फिर से दुर्लभ है। आप क्या सोचते हैं? पूजा सबसे ले डूबेगी!

Special K~ Team

भारतीय हमारे विशेष बलों की 10-सदस्यीय K9 टीम और 17 संचालक ParisOlympics 2024 में सर्वोच्च सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे है। यह पहली बार है कि कोई भारतीय K9 दल विदेश में इस तरह के कर्तव्य निभाएगा।

ई वेस्ट (E-waste) India

UNCTAD के आंकड़ों के अनुसार भारत की ई-कचरा उत्पादन वृद्धि दर उच्चतम में से एक है और चिंताजनक है। हालाँकि अन्य देशों की तुलना में प्रति व्यक्ति संख्या अभी भी कम है, फिर भी भारत को पर्यावरणीय क्षति को कम करने के लिए अपने अपशिष्ट के निपटान का एक बेहतर तरीका खोजना होगा।

कर्नाटक @ प्राइवेट रिजर्वेशन

15 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने एक मसौदा विधेयक को मंजूरी दी जिसमें कहा गया कि निजी क्षेत्र में 50% प्रबंधन नौकरियां और 70% गैर-प्रबंधन भूमिकाएँ स्थानीय लोगों के लिए आरक्षित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने निजी क्षेत्र में ग्रुप सी और ग्रुप डी की नौकरियों (ब्लू-कॉलर वर्कर्स) में कन्नड़ लोगों के लिए 100% कोटा का समर्थन किया।

नीति आयोग

गठबंधन की छाप हर जगह है। NITI Aayog अब NDA सरकार में बड़ा हो गया है, जिसमें 9 विशेष आमंत्रित सदस्य हैं, जिनमें 4 सहयोगी दलों के हैं। पिछली बार 4 विशेष आमंत्रित सदस्य थे, सभी भाजपा से थे।

UPSC द्वारा बड़ी कार्रवाई

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD
NEW DELHI-110069

PRESS RELEASE

JULY 19th, 2024

The Union Public Service Commission (UPSC) has conducted a detailed and thorough investigation in the misdemeanour of Ms. Puja Manorama Dilip Khedkar, a provisionally recommended candidate of the Civil Services Examination-2022. From the investigation it has been revealed that she fraudulently availed attempts beyond the permissible limit under the Examination Rules by taking her identity by way of changing her name, her father's & mother's name, her photograph/ signature, her email ID, mobile number and address.

3. The UPSC has, therefore, initiated a series of actions against her, including Criminal Prosecution by filing a Final Information Report (FIR) with the Police Authorities and has issued a Show Cause Notice (SCN) for cancellation of her candidature of the Civil Services Examination-2022/ debarment from future examinations/ selections, in accordance with the Rules of the Civil Services Examination-2022.

3. It is categorically stated that in fulfilling its Constitutional obligations, the UPSC stringently adheres to its Constitutional mandate, and conducts all its processes, including all examinations, with the highest possible order of due diligence without any compromise. The UPSC has ensured the sanctity and integrity of all its examination processes with the utmost fairness and strict observance of Rules.

4. The UPSC has deservedly earned the trust and credibility of a very high order from the public, especially the candidates. The Commission is unequivocally committed to ensure that such high order of trust and credibility remains intact and uncompromised.

UPSC द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। उनका चयन रद्द कर दिया गया है। परीक्षा में बैठने के दौरान धोखाधड़ी करने के आरोप में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस बारे में कोई उल्लेख नहीं है कि क्या ऐसे अन्य कथित उम्मीदवारों या यूपीएससी के अधिकारियों के खिलाफ कोई जांच की जा रही है, जिन्होंने पूजा की मदद की हो सकती है।

Wazir& @ Crypto currency

भारत का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज, वजीरएक्स हैक हो गया, 230 मिलियन डॉलर की क्रिप्टो चोरी हो गई। इससे निश्चित रूप से देश में विनियामक वातावरण पर असर पड़ेगा। वजीरएक्स को 2000 करोड़ के लिए हैक कर लिया गया।

आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24

भारत अनुसंधान एवं विकास में तेजी से प्रगति कर रहा है। वित्त वर्ष 24 में करीब एक लाख पेटेंट दिए गए।

- डब्ल्यूआईपीओ के अनुसार, भारत ने 2022 में पेटेंट दाखिल करने में सबसे अधिक वृद्धि (31.6 प्रतिशत) देखी।
- जीआईआई (2023) के अनुसार, वैश्विक नवाचार सूचकांक में 2015 में 81वें स्थान से 2023 में 40वें स्थान पर लगातार सुधार।
- देश में अनुसंधान एवं विकास (जीईआरडी) पर सकल व्यय लगातार बढ़ रहा है।
- देश नेचर इंडेक्स 2023 में ऑस्ट्रेलिया और स्विटजरलैंड को पछाड़कर 9वें स्थान पर पहुंच गया।

अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड

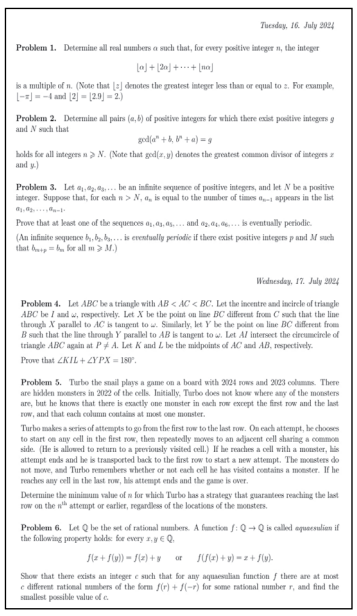

Tuesday, 16. July 2024

Problem 1. Determine all real numbers α such that, for every positive integer n, the integer

$$\lfloor \alpha \rfloor + \lfloor 2\alpha \rfloor + \cdots + \lfloor n\alpha \rfloor$$

is a multiple of n. (Note that $\lfloor z \rfloor$ denotes the greatest integer less than or equal to z. For example, $\lfloor -\pi \rfloor = -4$ and $\lfloor 2 \rfloor = \lfloor 2.9 \rfloor = 2$.)

Problem 2. Determine all pairs (a, b) of positive integers for which there exist positive integers g and N such that

$$\gcd(a^n + b, b^n + a) = g$$

holds for all integers $n \geqslant N$. (Note that $\gcd(x, y)$ denotes the greatest common divisor of integers x and y.)

Problem 3. Let $a_1, a_2, a_3, \ldots$ be an infinite sequence of positive integers, and let N be a positive integer. Suppose that, for each $n > N$, a_n is equal to the number of times a_{n-1} appears in the list $a_1, a_2, \ldots, a_{n-1}$.

Prove that at least one of the sequences $a_1, a_3, a_5, \ldots$ and $a_2, a_4, a_6, \ldots$ is eventually periodic.

(An infinite sequence $b_1, b_2, b_3, \ldots$ is *eventually periodic* if there exist positive integers p and M such that $b_{n+p} = b_n$ for all $n \geqslant M$.)

Wednesday, 17. July 2024

Problem 4. Let ABC be a triangle with $AB < AC < BC$. Let the incentre and incircle of triangle ABC be I and ω, respectively. Let X be the point on line BC different from C such that the line through X parallel to AC is tangent to ω. Similarly, let Y be the point on line BC different from B such that the line through Y parallel to AB is tangent to ω. Let AI intersect the circumcircle of triangle ABC again at $P \neq A$. Let K and L be the midpoints of AC and AB, respectively.

Prove that $\angle KIL + \angle YPX = 180°$.

Problem 5. Turbo the snail plays a game on a board with 2024 rows and 2023 columns. There are hidden monsters in 2022 of the cells. Initially, Turbo does not know where any of the monsters are, but he knows that there is exactly one monster in each row except the first row and the last row, and that each column contains at most one monster.

Turbo makes a series of attempts to go from the first row to the last row. On each attempt, he chooses to start on any cell in the first row, then repeatedly moves to an adjacent cell sharing a common side. (He is allowed to return to a previously visited cell.) If he reaches a cell with a monster, his attempt ends and he is transported back to the first row to start a new attempt. The monsters do not move, and Turbo remembers whether or not each cell he has visited contains a monster. If he reaches any cell in the last row, his attempt ends and the game is over.

Determine the minimum value of n for which Turbo has a strategy that guarantees reaching the last row on the n^{th} attempt or earlier, regardless of the locations of the monsters.

Problem 6. Let $\mathbb{Q}$ be the set of rational numbers. A function $f\colon \mathbb{Q} \to \mathbb{Q}$ is called *aquaesulian* if the following property holds: for every $x, y \in \mathbb{Q}$,

$$f(x + f(y)) = f(x) + y \quad \text{or} \quad f(f(x) + y) = x + f(y).$$

Show that there exists an integer c such that for any aquaesulian function f there are at most c different rational numbers of the form $f(r) + f(-r)$ for some rational number r, and find the smallest possible value of c.

अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड हाई स्कूल के छात्रों के लिए सबसे कठिन गणित परीक्षा है।

✻ अमेरिका ने ज़्यादातर चीनी-अमेरिकी टीम के साथ पसंदीदा चीन को हराया।

✻ भारत चौथे स्थान पर रहा, कोरिया से 1 अंक पीछे।

✻ हाओजिया शि [चीन] ने लगातार 2 बार परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया, ऐसा करने वाले 7वें स्थान पर 6 प्रश्न, नौ घंटे!

राष्ट्रपति भवन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों-दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप रखा-राष्ट्रपति भवन।

F&O ट्रेडिंग के बाद, SEBI ने इंट्रा-डे कैश मार्केट ट्रेडर्स के लिए एक नया अध्ययन किया

वित्त वर्ष 23 में इंट्रा-डे कैश मार्केट ट्रेडर्स में से 10 में से 7 को घाटा हुआ। वित्त वर्ष 23 में 10 में से 2 में से 8 हाई फरीक्वेंसी कैश मार्केट ट्रेडर्स को घाटा हुआ (हाई फरीक्वेंसी ट्रेडर्स=500 ट्रेड/वर्ष)। युवा ट्रेडर्स (<30 वर्ष) में घाटा उठाने वालों का 3 प्रति हिस्सा वित्त वर्ष 23 में 76 प्रति से अधिक है। इक्विटी कैश मार्केट में ट्रेड करने वाले 3 में से 4 में से 1 ट्रेडर इंट्रा-डे ट्रेड करता है

वित्त वर्ष 23 में इक्विटी कैश सेगमेंट में इंट्रा-डे ट्रेडर्स की संख्या वित्त वर्ष 19 के मुकाबले >300प्रति बढ़ी। वित्त वर्ष 23 में युवा ट्रेडर्स (<30 वर्ष) की हिस्सेदारी बढ़कर 48 प्रति हो गई, जबकि वित्त वर्ष 19 में यह 18 प्रति थी।

प्रेस विज्ञप्ति
PRESS RELEASE

PR No.13/2024

SEBI study finds that 7 out of 10 individual intraday traders in equity cash segment make losses

A study conducted by SEBI has found that more than 70% (7 out of 10) of individual intraday traders in equity cash segment have incurred losses in FY 2022-23. The study also noted the surge of over 300% in the number of individuals participating in intraday trading in equity cash segment in FY 2022-23 compared to FY 2018-19.

SEBI has conducted the study analysing the trends in participation and in profits and losses in intraday trading by individuals in equity cash segment. This study has been peer reviewed by a working group with representation from academia, brokers and market experts.

The study covers the periods of FY 2018-19, FY 2021-22 and FY 2022-23. In order to comparatively analyse the trends before and after the pandemic. The study is based on a sample of individual clients of the top-10 stock brokers, accounting for around 86% of the individual client count in the equity cash segment during FY 2022-23.

Some of the major findings of the study are as under:

- Around one (1) in three (3) individuals who trade in equity cash segment, trades intraday.
- Number of individual traders who traded intraday in equity cash segment, rose over 300% in FY 2022-23, as compared to FY 2018-19.

रियल एस्टेट के बारे में चिंता मत करो, इसे कई तरीकों से सुपर फायदे मिलते रहते हैं

✻ आप किसी भी परिसंपत्ति में दीर्घकालिक लाभ को एक घर में निवेश कर सकते हैं और एलटीसीजी टैक्स बचा सकते हैं (किसी अन्य परिसंपत्ति वर्ग में ऐसा नहीं है)

✻ आपको वेतन (80सी) के बदले मूलधन की भरपाई करनी होगी।

✻ आपको वेतन के विरुद्ध ब्याज की भरपाई मिलती है (24)।

✻ आपको गृह ऋण पर सबसे कम ब्याज दरें मिलती हैं (व्यवसाय या शेयरों के बदले ऋण आदि की तुलना में)।

✻ घरों से किराये की आय पर 30 प्रति की छूट मिलती है, कोई प्रश्न नहीं पूछा जाता है (केवल बाकी पर कर लगाया जाता है)-किसी भी अन्य संपत्ति के लिए, उत्पन्न किसी भी आय पर पूरी तरह से कर लगाया जाता है (जैसे शेयरों के लिए लाभांश)

RE में कुछ लोगों के लिए एक

छोटा सा कर बढ़ गया होगा, लेकिन रियल एस्टेट अभी भी एक मोस्ट sought after परिसंपत्ति वर्ग है।

आधार

आप अपनी सुविधानुसार #Aadhaar को लॉक/अनलॉक कर सकते हैं। यहां आपके आधार को अनलॉक करने के लिए एक सरल मार्गदर्शिका दी गई है।

ओलंपिक

IOC कार्यकारी बोर्ड ने भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक ऑर्डर प्रदान किया। बिंद्रा को ओलंपिक खेलों के मूल्यों को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

मुकेश पर डाक टिकट

कालजयी गायक मुकेश की जन्म शताब्दी पर जारी होगा विशेष डाक टिकट।

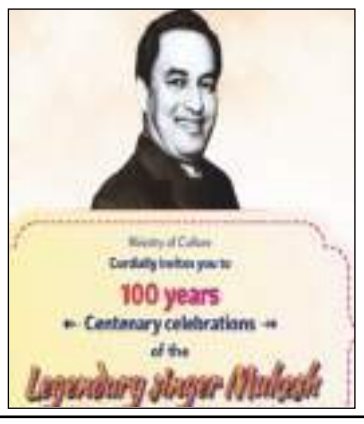

प्राइवेट Sector प्रॉफिट

'वित्त वर्ष 20 में कर से पहले कॉर्पोरेट लाभ 5.3 लाख करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 23 में, यह बढ़कर 20.6 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 4 गुना है। इसलिए निजी क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन किया है, जो उनके लिए अच्छा है, और अब उनके पास बेहतरीन बैलेंस शीट है। इसलिए अब समय आ गया है कि वे अर्थव्यवस्था की खातिर नहीं, सरकार की खातिर नहीं, बल्कि अपने लिए अच्छा प्रदर्शन करें।

सुप्रीम कोर्ट टाइमिंग

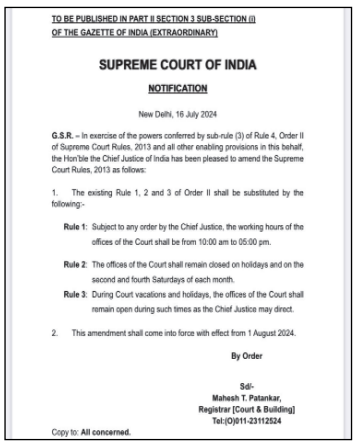

TO BE PUBLISHED IN PART II SECTION 3 SUB-SECTION (i)
OF THE GAZETTE OF INDIA (EXTRAORDINARY)

SUPREME COURT OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, 16 July 2024

G.S.R. – In exercise of the powers conferred by sub-rule (3) of Rule 4, Order II of Supreme Court Rules, 2013 and all other enabling provisions in this behalf, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to amend the Supreme Court Rules, 2013 as follows:

1. The existing Rule 1, 2 and 3 of Order II shall be substituted by the following:-

Rule 1: Subject to any order by the Chief Justice, the working hours of the offices of the Court shall be from 10:00 am to 05:00 pm.

Rule 2: The offices of the Court shall remain closed on holidays and on the second and fourth Saturdays of each month.

Rule 3: During Court vacations and holidays, the offices of the Court shall remain open during such times as the Chief Justice may direct.

2. This amendment shall come into force with effect from 1 August 2024.

By Order

Sd/-
Mahesh T. Patankar,
Registrar [Court & Building]
Tel:(O)011-23112524

Copy to: **All concerned.**

भारत का सर्वोच्च न्यायालय अब 10 से 5 बजे तक और पहले और तीसरे शनिवार को भी काम करेगा। लंबित मामलों से निपटने के लिए यह एक स्वागत योग्य बदलाव है।

सरकारी कर्मचारियों @ RSS

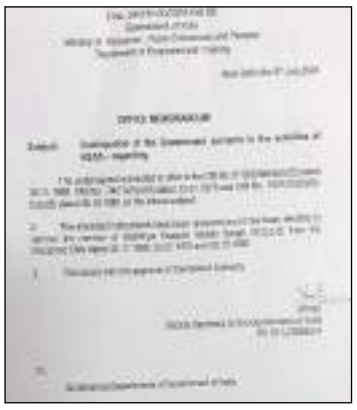

1966 में लागू प्रतिबंध को हटाने के बाद अब सरकारी कर्मचारी RSS की गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। सिविल सेवा दिशा-निर्देशों में एक बदलाव है।

IBC : दिवालिया कानून

आर्थिक सर्वेक्षण-समाधान में IBC (दिवालियापन न्यायालय) द्वारा किया गया शानदार काम। प्राप्तियां उचित मूल्य की 85 प्रति. हैं-जो कि काफी अच्छी बात है क्योंकि दिवालियापन प्रक्रिया के दौरान मूल्य में काफी गिरावट आती है।

Carbon Trading @ Agriculture

कृषि क्षेत्र में कार्बन ट्रेडिंग तंत्र सरकार ने कार्बन ट्रेडिंग तंत्र के कार्यान्वयन के लिए दिसंबर 2023 में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना को अधिसूचित किया गया था।

कार्बन ट्रेडिंग के ऑफसेट तंत्र के तहत, चयनित क्षेत्रों में से एक कृषि क्षेत्र है कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने छोटे और सीमांत किसानों को कार्बन क्रेडिट लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कृषि क्षेत्र के लिए भारत में स्वैच्छिक कार्बन बाजार को बढ़ावा देने के लिए एक रूपरेखा विकसित की है।

India Mutual fund Industry

पिछले दस वर्षों में एमएफ उद्योग बहुत तेजी से बढ़ा है रू. 8.3 लाख करोड़ से बढ़कर 61.2 लाख करोड़ हो गया है।

जमा का अनुपात 11% से बढ़कर 29% हो गया है। भारतीय निवेशकों की संपत्ति बढ़ाने की समझ में काफी सुधार हुआ है और लगता है कि आने वाले वर्षों में यह अनुपात 50% तक बढ़ जाएगा।

World Greatest Place India तीन जगह 2024

कसौली में नार रेस्तरां, हैदराबाद में मनम चॉकलेट फैक्ट्री और मुंबई में म्यूजियम ऑफ सॉल्यूशंस भारत के तीन आकर्षण हैं जो टाइम पत्रिका की 2024 में घूमने के लिए दुनिया की 100 सबसे बड़ी जगहों की सूची में शामिल हैं। पत्रिका के आगामी 5 अगस्त, 2024 के अंक के कवर में कहा गया है, दुनिया के सबसे महान स्थान अभी घूमने के लिए 100 रोमांचक स्थान, जिसमें वार्षिक सूची दी गई है।

World First Nation अयोध्या Ticket

LAO PDR (लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक) ने अयोध्या के श्री राम लला पर एक डाक टिकट जारी किया है, जिससे यह प्रतिष्ठित देवता को चित्रित करने वाला टिकट जारी करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। लाओ पीडीआर और भारत के बीच गहरे सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर प्रकाश डालती है।

तेल एवं गैस-PSU रिफाइनर संयुक्त वार्ता

PSU refiners plot joint energy hunt

Move to increase bargaining power, avert competition

FORWARD TOGETHER

संयुक्त बातचीत-भारत में सरकारी तेल कंपनियां एक साथ ऊर्जा आपूर्ति पर बातचीत करने के लिए टीम बना रही हैं। बढ़ी हुई सौदेबाजी की शक्ति इस कदम का उद्देश्य सौदेबाजी की शक्ति में सुधार करना और उनके बीच प्रतिस्पर्धा को कम करना है। मानकीकृत अनुबंध-कंपनियों के पास आपूर्तिकर्ताओं के साथ अलग लेकिन मानकीकृत अनुबंध शर्तें होंगी। बेहतर सौदे संयुक्त वार्ता रूसी तेल और एलएनजी के लिए बेहतर क्रेडिट, छूट और अनुकूलित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित कर सकती है।

आधार 2.0 : Digital Public Infrastructure (DPI)

As per McKinsey, भारत अपने डेटा को एकीकृत करके और खोज क्षमता को बढ़ाकर, DPI किसानों (MSME) की आय को 25%-35% तक बढ़ा सकता है, अर्थव्यवस्था में SD95 बिलियन जोड़ सकता है और सकल घरेलू उत्पाद में कृषि के योगदान को बढ़ा सकता है (वर्तमान में 18%)

सरकार का लक्ष्य कृषि, ई-कॉमर्स और एमएसएमई सहित विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) के उपयोग का विस्तार करना है और 10 वर्ष में ये होगा!

Apple @ India

वैश्विक लॉन्च के तुरंत बाद, Apple भारत में हाई-एंड iPhone 16 Pro मॉडल का निर्माण करने के लिए तैयार है।

Apple ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के भीतर भारत से .3 बिलियन मूल्य के iPhones का निर्यात किया-.1 बिलियन प्रति माह। चीन से बहुत पीछे।

कैपिटल

बजट में पूंजीगत लाभ में बदलाव आपके सभी निवेशों को प्रभावित करता है, स्टॉक, म्यूचुअल फंड और ईटीएफ से लेकर गैर-सूचीबद्ध बांड तक। परिवर्तन आपके निवेश को कैसे प्रभावित करता है इसका एक त्वरित स्नैपशॉट यहां दिया गया है।

पेरिस ओलंपिक दिवस 2 का कार्यक्रम

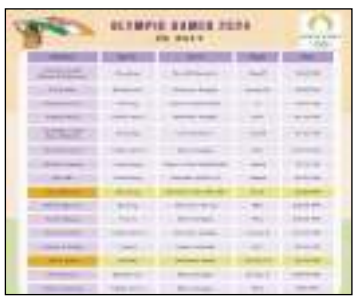

महिला व्यक्तिगत 10 मीटर एपी और महिला तीरंदाजी में स्वर्ण पदक दांव पर तीरंदाजी महिला टीम की कल क्यूएफ से लेकर गोल्ड तक सभी स्पर्धाएँ होंगी (यदि योग्य हों)।

यूनियन बजट

भारत एकमात्र वित्तीय बाजार है जहाँ केंद्रीय बजट पर इतनी बारीकी से नजर रखी जाती है।

ज़्यादातर विकसित इकोनॉमी और विकासशील देशों में लोग बजट घोषणाओं की परवाह नहीं करते।

यह एक लेखा-जोखा है। नीति निर्माण के लिए किसी एक दिन की जरूरत नहीं होती।

मोटापा

वयस्क मोटापे के नए अनुमान पिछले दशक में लगातार वृद्धि दर्शाते हैं, जो 12.1 प्रति. (2012) से बढ़कर 15.8 प्रति. (2022) हो गया है। अनुमानों से पता चलता है कि 2030 तक दुनिया में 1.2 बिलियन से ज़्यादा वयस्क मोटे होंगे।

भारतीय शहरों का स्थानीय परिवहन

क्या मेट्रो रामबाण है?

भारत के शहरी परिवहन की समस्या को ठीक करने के लिए मेट्रो नहीं, बसें अहम हैं? भारतीय शहरी प्रशासकों को लंदन या दुनिया भर के लोगों से सीखने की जरूरत है जिन्होंने अपनी परिवहन व्यवस्था में बसों की प्रमुखता को पहचाना है?

बहुत ज़्यादा निराश होने से पहले, हमें याद रखना चाहिए कि यह सिर्फ भारत की कहानी नहीं है, बल्कि दुनिया के ज़्यादातर देशों की कहानी है।

शशि वर्मा के अनुसार, भारत में परिवहन व्यवस्था में बसों का प्राथमिक उपयोग सबसे बड़ी चूक है। पिछले दशक में बुनियादी ढांचे में सरकार की बहुत-सी उपलब्धियों के बावजूद, जिसमें मेट्रो और बुलेट ट्रेन जैसी हाई-प्रोफाइल परियोजनाएँ शामिल हैं, शहरी भारत में सड़कें अभी भी घुट रही हैं।

अब चुनौती यह है कि एक दशक से छूटे अवसरों की विरासत को दूर करने के लिए कड़े फैसले लिए जाएँ और अभिनव बुनियादी ढाँचा समाधान लागू किए जाएँ।

हर शहरी मास्टर प्लान में सार्वजनिक परिवहन द्वारा की जाने वाली सभी यात्राओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के बड़े उद्देश्य होते हैं। फिर भी, परिणाम इसके विपरीत होता है, जिसमें कारों और, सबसे महत्वपूर्ण रूप से, दोपहिया वाहनों को प्रमुखता मिलती है। इस परिदृश्य में, अतीत कुछ हद तक एक रोडमैप पेश करता है।

संधारणीय यात्रा क्या है?

संधारणीय यात्रा-अर्थात पैदल, साइकिल और सार्वजनिक परिवहन द्वारा की जाने वाली यात्राओं का हिस्सा-परिवहन प्रणाली के स्वास्थ्य का एक माप है। बहुत निराश होने से पहले, हमें यह याद रखना चाहिए कि यह केवल भारत की कहानी नहीं है, बल्कि दुनिया के अधिकांश देशों की कहानी है।

हालाँकि, भारत में चुनौती यह है कि खराब शहरीकरण-जिसका खराब शहरी परिवहन एक उदाहरण है-अब आर्थिक विकास में बाधा बन रहा है, नौकरियों और बाजारों से संपर्क में बाधा डाल रहा है। लेकिन ऐसे अपवाद भी हैं जहाँ से हम सबक सीख सकते हैं। लंदन उनमें से एक है।

मेट्रो रामबाण नहीं है

पिछले दो दशकों में, लंदन में संधारणीय यात्रा का हिस्सा 53 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है, जिसका लक्ष्य 2041 तक 80 प्रतिशत तक पहुँचना है।

इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए लागू किए गए हस्तक्षेप भारत के लिए आगे का रास्ता प्रदान करते हैं। हालाँकि, आइए पहले भारत की चुनौतियों पर ध्यान दें।

भारत के शहरीकरण ने एक सीधा रास्ता अपनाया-सड़क के बुनियादी ढाँचे पर न्यूनतम खर्च, एक बुनियादी बस सेवा का प्रावधान, और उन लोगों के लिए निजी वाहनों पर निर्भरता जो उन्हें वहन कर सकते थे। यह रणनीति लंबे समय तक कारगर रही, लेकिन जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ा और निजी वाहन अधिक संख्या में दिखाई देने लगे, भीड़भाड़ बढ़ती गई। सबसे पहले यह नई दिल्लीमें दिखाई दिया, जो विकास से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाला शहर है। इस बिंदु पर, भारत सबसे कम लागत वाले बुनियादी ढांचे से सबसे महंगे में बदल गया। पिछली तिमाही सदी में शहरी बुनियादी ढांचे की कहानी मेट्रो के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करके परिभाषित की गई है।

आज, भारत में लगभग 850 किलोमीटर मेट्रो रेलवे संचालित है, और 500 किलोमीटर या उससे अधिक की योजना या निर्माण के अधीन है। उस चालू नेटवर्क का लगभग आधा हिस्सा अकेले दिल्ली में है। तुलना करें तो, लंदन में अकेले शहर के रूप में 1,000 किलोमीटर से अधिक मेट्रो लाइनें हैं। इसलिए, हम मेट्रो का निर्माण जारी रख सकते हैं-और हमें ऐसा करना चाहिए-लेकिन यह शहरीकरण के लिए रामबाण नहीं है जिसकी हमें आवश्यकता है, कम से कम इसलिए नहीं क्योंकि मेट्रो निर्माण की गति कभी भी सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती मांग से मेल नहीं खा सकती।

मुख्य आंकड़े

◆परिचालन मार्ग-902.39 किमी

◆निर्माणाधीन मार्ग-649.56 किमी

◆स्वीकृत मार्ग-261.03 किमी

◆प्रस्तावित मार्ग-1065.83 किमी

मजेदार तथ्य

◆सबसे पुरानी (पहली) मेट्रो रेल प्रणाली- कोलकाता मेट्रो

◆सबसे नई मेट्रो रेल प्रणाली-नवी मुंबई (11.1 किमी)

◆सबसे बड़ी मेट्रो प्रणाली-दिल्ली मेट्रो (347 किमी)

◆सबसे छोटी मेट्रो प्रणाली-कानपुर मेट्रो (8.73 किमी)

◆सबसे व्यस्त (सबसे अधिक सवारियाँ) मेट्रो प्रणाली-दिल्ली मेट्रो।

तो, जवाब कहां है? तथ्य यह है कि घनी मेट्रो प्रणालियों वाले शहरों में भी, बस नेटवर्क एक बड़ी, भले ही कम सराहना की गई हो, भूमिका निभाते हैं। इस साल लंदन में, बसें लगभग 2 बिलियन यात्राएं करेंगी, जबकि लंदन अंडरग्राउंड 1.3 बिलियन यात्राएं करेगी। अंडरग्राउंड सहित ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन द्वारा संचालित सभी रेल सेवाओं की कुल संख्या शायद 1.8 बिलियन होगी। यदि हम अन्य सभी उपनगरीय रेल सेवाओं को जोड़ दें, तो यह संख्या 2.4 बिलियन हो जाती है। किसी भी मायने में, बसें एक बड़ी भूमिका निभाती हैं।

बसों की प्रमुखता में लंदन अकेला नहीं है। अति-घनत्व वाले हांगकांग में, एमटीआर मेट्रो ने 2023 में 1.7 बिलियन यात्राएं कीं, लेकिन बसें 1.3 बिलियन के साथ बहुत पीछे नहीं रहीं।लैटिन अमेरिका में, तस्वीर उलट है। मेक्सिको सिटी की 12 मेट्रो लाइनों के बावजूद, 25,000 या उससे अधिक बसें प्रणाली को डुबो देती हैं ब्राजील के क्यूरिटिबा से शुरू हुआ क्क्र्ब्र प्रयोग लैटिन अमेरिका के अधिकांश हिस्सों के लिए आदर्श बन गया है और इसे कोलंबिया के बोगोटा में सबसे व्यापक रूप से लागू किया गया है।

इसी तरह, मेट्रो में चीन के निवेश की बराबरी बस सेवाओं में उसके निवेश से की गई है।

4,000 किलोमीटर से अधिक मेट्रो के साथ, चीन के पास अब सबसे व्यापक शहरी रेल नेटवर्क है, लेकिन इसकी 700,000 सार्वजनिक बसें दुनिया भर में सबसे बड़ा बेड़ा भी हैं। बीजिंग और शंघाई दोनों ही मेट्रो की लंबाई और उपयोग के मामले में दुनिया में शीर्ष पर हैं।

और फिर भी, बीजिंग के 830 किलोमीटर लंबे सबवे और इसकी 25,000 बसों ने लगभग 4 बिलियन से कम की समान संख्या में यात्राएँ कीं। चीन की बस प्रणाली ने इलेक्ट्रिक वाहन तैनाती में भी दुनिया का नेतृत्व किया है।

दुनिया भर के शहरों ने अपनी परिवहन प्रणालियों में बसों की प्रधानता को मान्यता दी है। भारत में, इसे केंद्र में लाने के प्रयासों के बावजूद यह एक छूटा हुआ अवसर बना हुआ है। यहाँ विडंबना यह है कि हम एक बस के लिए तरस रहे हैं।

मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

पेरिस। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने रविवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में इतिहास रचते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता लिया है। ओलंपिक के इतिहास में निशानेबाजी में पदक दिलाने वाली मनु पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने फाइनल में 221.7 अंक के साथ कांस्य जीता।

अंतरिक्ष में अटके

भारतीय-अमेरिकी नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स द्वारा संचालित, बोइंग की स्टारलाइनर क्रू परीक्षण उड़ान 5 जून को लॉन्च की गई।

अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर के साथ विलियम्स अंतरिक्ष यान के साथ तकनीकी समस्याओं के कारण सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौटने में असमर्थ हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी आज रात 9 बजे (IST) एक मीडिया टेलीकांफ्रेंस की मेजबानी करने के लिए तैयार है। कब आयेंगे, कैसे आयेंगे, कोई खबर नहीं!

ओलंपिक 2024

यूक्रेन में चल रहे युद्ध में शामिल होने के कारण रूस और बेलारूस को पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा के इंतजाम सुनिश्चित करें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए हैं कि वर्षा काल में प्रदेश में कहीं भी जन हानि न हो। इसके लिए सभी कलेक्टर्स अपने नेतृत्व में जिलों में प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपे। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे कार्य करें। संबंधित अमला सजग एवं सतर्क रहे और आम जनता को आगाह भी किया जाए ताकि कोई दुघर्टना हो। अतिवर्षा या बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वय में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। लोगों की जीवन रक्षा के लिए कहीं सेना की जरूरत हो तो कलेक्टर्स समय पर जानकारी में जाये। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा है कि कल दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर में हुए हादसे में बेसमेंट में पानी भरने से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की असामयिक मृत्यु दुःखद और दर्दनाक है।

उन्होंने घटना के प्रकाश में मध्यप्रदेश के बेसमेंट में संचालित कोचिंग केंद्रों के सर्वे के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में सोमवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस से वर्षा की स्थिति और कुछ जिलों में बाढ़ की आशंका के संबंध में समीक्षा की। साथ ही जिलों के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स से प्रदेश में अतिवर्षा की स्थिति में आवश्यक प्रबंधों को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग ऐसे पुल-पुलियों की जानकारी संकलित करें, जहां पूर्व में दुर्घटनाएं में हुई हैं, ऐसे रपटों और पुलों पर प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। पुलों पर पानी का भराव हो तो लोगों को न जाने दें। बांधों से पानी छोड़ें तो प्रभावित होने वाले जिलों को पहले से अलर्ट करें। तैराक दल भी ऐसे स्थानों पर उपलब्ध रहें। स्थानीय स्तर पर तालमेल रहे। जिलों और तहसीलों की परस्पर जानकारी रहे। अतिवर्षा की स्थिति और बाढ़ की चुनौती से प्रशासन को निपटना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कोई जनहानि न हो, इसके लिए सजग रहें। निरंतर मानीटरिंग होती रहे। कंट्रोल रूम की ड्यूटी वाले अधिकारी- कर्मचारी 24 घंटे सजग और सतर्क रहें। जरूरत के अनुसार स्काउट-गाइड और सेवा भावी संस्थाओं की सेवाएं अतिवर्षा की स्थिति में प्राप्त करें।

आवश्यक सेवाओं में बाधा न हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षा के दिनों में पेयजल आपूर्ति में स्वच्छता का ध्यान रखें। आम जनता को जीवन की उपयोगी वस्तुएं बिना बाधा के मिलती रहें। आवश्यक सेवाओं को सुनिश्चित किया जाए। वर्षा काल में उत्पन्न समस्याओं के कारण मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। कहीं मृत मवेशी न रखे रहें, उनको उठवाने का कार्य समय पर किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन पुल-पुलियों अथवा रपटों पर जल बहाव तेज हो, वहां से नागरिकों को आवागमन न करने दिया जाएं। उनकी जीवन रक्षा के लिए तैराक दल भी ऐसी जगह पर अवश्य उपलब्ध रहना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र का जिले और तहसील से संपर्क रहे। इन स्थानों पर आवश्यक रूप से ध्यान रखा जाए जहां दुर्घटना की या जल भराव ज्यादा होने के आशंका है।

कटनी के परिवार के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से राशि मंजूर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हाल ही में जबलपुर,मंडला तथा कटनी जिलों में अतिवर्षा से कुछ नागरिकों की असामयिक मृत्यु हुई है, जो पीड़ादायक है। यह सुनिश्चित किया जाए, ऐसी दुर्घटनाएं आगे न हों, जिन स्थानों पर लोग पिकनिक मनाने के लिए जाते हैं, ऐसी नदियों और तालाबों पर बचाव दल की आवश्यक व्यवस्था रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुछ जिलों में अधिक वर्षा से हुई जन हानि को दुखद बताया। उन्होंने विशेष रूप से कटनी जिले में एक कुएं में गिरने से चार लोगों की मृत्यु पर भी दुख व्यक्त किया। इस प्रकरण में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपए कुल 16 लाख रुपए की राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं नहीं होना चाहिए। खुले बोरवेल भी तत्काल बंद कराया जा ना सुनिश्चित करें। ऐसी लापरवाही से किसी की जान जा सकती है। नागरिक स्वयं सजग रहें और प्रशासनिक अमला भी सक्रिय व सजग रहे।

मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन के महीने में मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना-जाना निरंतर बना हुआ है। इसका जिले वार आंकलन किया जाए। त्यौहारों पर नागरिकों के धर्म स्थलों पर जाने के मार्ग और उन स्थानों पर भी आवश्यक सुरक्षा आवश्यक है, जो धर्मस्थल जल स्त्रोतों के पास या नदियों के पास हैं। ऐसी जगहों पर जहां जल स्तर बढ़ सकता है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से निरंतर नजर रखी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमिश्नर उज्जैन, कलेक्टर शाजापुर, नर्मदापुरम, जबलपुर और कटनी से वर्षा की स्थिति और बाढ़ की आशंका के संबंध में जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए।

बेसमेंट में चलने वाले कोचिंग संस्थानों के निरीक्षण के निर्देश जारी

प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री नीरज मंडलोई ने बताया किमुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशों के परिपालन में प्रदेश में बेसमेंट में चल रहे कोचिंग के स्थानों में जल भराव होने पर जल निकासी की व्यवस्था देखने और सुरक्षित विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि 16 नगर निगम कमिश्नर्स भी वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े हैं। उन्हें बेसमेंट में चल रहे कोचिंग संस्थानों, धर्मशालाओं और संस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा विभिन्न नगर- कस्बों में निचली बस्तियों में भी आवश्यक सावधानियां बरतने एवं कच्चे मकानो में बिजली के करंट फैलने से वर्षा काल में उत्पन्न होने वाली समस्या के प्रति सजग रहने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एक जून से 29 जुलाई तक 18.5 इंच वर्षा दर्ज हुई है। अधिक वर्षा वाले जिलों में राजगढ़, नीमच, भोपाल, सिवनी, ग्वालियर, भिंड, श्योपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, रायसेन एवं सीहोर शामिल हैं।

लव जिहाद के खिलाफ कानून को सख्त करेगी योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार लव जिहाद जैसे अपराधों पर और कड़ी सजा करने का फैसला किया है। इस प्रकार के अपराधों में आजीवन कारावास तक की सजा दिए जाने का प्रस्ताव है। सरकार ने सोमवार को विधानसभा में यूपी विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2024 पेश कर दिया है। इसमें पहले से परिभाषित अपराधों में सजा जहां दोगुनी तक की गई है, वहीं नए अपराध भी शामिल किए गए हैं जिसमें ताउम्र जेल का प्रावधान है।

योगी सरकार 2021 में यह कानून लेकर आई थी। इसे विधानमंडल से पास कराकर विधिवत कानूनी जामा पहनाया गया था। तब इस कानून के तहत अधिकतम 10

साल की सजा और 50 हजार तक जुर्माना था। सोमवार को प्रस्तावित विधेयक में अपराध का दायरा और सजा दोनों ही बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन के लिए फंडिंग को भी इस कानून के तहत अपराध के दायरे में लाया गया है। इसमें विदेशी संस्थाओं या किसी भी अवैध संस्था से हुई फंडिंग भी शामिल है। अगर कोई धर्म बदलावाने की नीयत से किसी व्यक्ति को जीवन या संपत्ति के भय में डालता है, हमला, बल प्रयोग या शादी करने का वादा करता है या इसके लिए षड्यंत्र करता है तो उसे आजीवन कारावास के साथ जुर्माना भी भरना होगा। कोर्ट पीड़ित के इलाज के खर्च और पुनर्वास के लिए न्यायोचित धनराशि जुर्माने के रूप में तय कर सकेगी। सरकार का कहना है कि अपराध की संवेदनशीलता, महिलाओं की गरिमा व सामाजिक स्थिति, महिला, एससी-एसटी आदि का अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए यह महसूस किया गया कि सजा व जुर्माने को और कड़ा करने की जरूरत है। इसलिए, यह विधेयक लाया जा रहा है।

कोई भी दे सकेगा अवैध धर्मांतरण की सूचना

कानून में एक और बदलाव करते हुए घटनाओं की सूचना देने वालों का दायरा भी बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है। पहले पीड़ित व्यक्ति, उसके माता-पिता, भाई-बहन या अन्य रक्त संबंधी, जिससे विवाह या दत्तक संबंध हो वह अपराध की सूचना दे सकता था। अब कोई भी व्यक्ति लिखित तौर पर इसकी सूचना पुलिस को दे सकेगा और उस पर जांच की जा सकेगी। कानून के तहत सभी अपराध गैर-जमानतीय बना दिए गए हैं। इनका विचारण सेशन कोर्ट से नीचे नहीं होगा। बिना लोक अभियोजक को अवसर दिए जमानत के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

सनातन संस्कृति की धर्म ध्वजा आगे बढ़े

उज्जैन। इंदौर से भाजपा विधायक गोलू शुक्ला द्वारा निकाली जा रही बाणेश्वरी कांवड यात्रा का उज्जैन पहुँचने पर भाजपा नेता कपिल पांचाल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। भाजपा नेता कपिल पांचाल ने बताया कि 22 वर्षों से बाणेश्वरी कांवड़ यात्रा भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के नेतृत्व में निकाली जा रही है। उन्होंने बताया कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं में सनातन धर्म के प्रति जागरूकता आए, युवा नशे से मुक्त हो, सनातन संस्कृति की धर्म ध्वजा आगे बढ़े, इसी संकल्प को लेकर बाणेश्वरी कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। कपिल पांचाल ने कहा कि इस बार की बाणेश्वरी कावड़ यात्रा त्याग, न्याय और सेवा की प्रतिमूर्ति देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती को समर्पित है। यात्रा का भव्य स्वागत देवास गेट चौराहे पर पूरी मित्र मंडली द्वारा किया गया।

विधायक गोलू शुक्ला को पुष्पों की माला पहनाई गई। इस अवसर पर भाजपा पार्षद गब्बर भाटी, भाजपा नगर उपाध्यक्ष धनंजय शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्ष वर्धन कुशवाह, संदीप राजनोद, देवेश्वर शर्मा, अपूर्व देवड़ा, विजय चौहान, स्मिथ सोनी, दीपक मालवीय, शुभम भावसार, कुलदीप वर्मा, राहुल शर्मा, रितेश, सोनू मालवीय आदि उपस्थित थे।

जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में उज्जैन रहा प्रथम

उज्जैन। स्कूल शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता क्षीरसागर एरिना में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में उज्जैन, तराना, घटिया, नागदा, खाचरौद, बड़नगर के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता की शुरुआत जिला क्रीड़ा अधिकारी पूरालाल शर्मा एवं संयोजक प्राचार्य अशोक सक्सेना द्वारा हनुमानजी की पूजा करके की गई।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर उज्जैन विकासखंड, द्वितीय स्थान पर तराना, तृतीय स्थान पर खाचरौद विकासखंड रहा।

प्रतियोगिता में आयोजक रामेश्वर देपन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजवाड़ा क्रमांक 2, गोपाल गौतम, हरीश चौहान, वीरेंद्र भाटिया, सुरेंद्र व्यास, मोहसिन खान, प्रमोद सूर्यवंशी, जय राठौड़, राधेश्याम चौधरी, सचिन चौधरी, अरुण कुमार यादव, अक्षय राठौड़, वीरेंद्र निश्चित, बसंत पहलवान, गौरव आदि का विशेष योगदान रहा।

करेगी नगर निगम का घेराव

उज्जैन। शहर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण हेतु नगर पालिका निगम के अधिकारियों और महापौर को जगाने हेतु शहर कांग्रेस कमेटी उज्जैन द्वारा 30 जुलाई को प्रातः 11.30 बजे नगर निगम का घेराव कर शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने की मांग की जाएगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने बताया कि शहर में लगातार हो रही बारिश से सड़कों की दुर्दशा, आवारा पशुओं की समस्या, शहर में जलप्रदाय की अव्यवस्था, शहर में स्ट्रीट लाइट की अव्यवस्था, गंदे पानी का जल सप्लाई सहित अनेक समस्याओं को लेकर के शहर कांग्रेस कमेटी के समस्त पार्षद आज मंगलवार प्रातः 11:30 बजे नगर निगम उज्जैन का धेराव करेंगे।

महामृत्युंजय महाकाल का हुआ महारूद्राभिषेक

उज्जैन। बड़नगर रोड़ स्थित मोहनपुरा में श्री बाबाधाम मंदिर (अर्जी वाले हनुमान -81 फीट) में श्रावण मास के दूसरे सोमवार को महामृत्युंजय महाकाल का महारूद्राभिषेक हुआ।

पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के श्री श्री 1008 वरिष्ठ महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद महाराज के सानिध्य में हुए महारूद्राभिषेक के साथ ही भजनों के साथ महादेव की भक्ति की गई।

श्री बाबा धाम मंदिर सचिव महंत आदित्यपुरी राजा भैया ने बताया कि आज 30 जुलाई से श्री बाबाधाम मंदिर में संगीतमय श्रीराम कथा प्रारंभ होगी। महामंडलेश्वर गुरू मां आनंदमयी भक्तों को 7 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 1 से 4 बजे तक श्रीराम कथा का रसपान कराएंगी। जिसका सीधा प्रसारण भी धर्म संदेश चैनल पर प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक होगा। इसी दिन रात 10 से 1 बजे तक आस्था चैनल पर कथा का प्रसारण होगा। महारूद्राभिषेक दौरान महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद महाराज ने कहा कि जो काल को नियंत्रित करता है वह महामृत्युंजय महाकाल है। श्रावण मास में भगवान शिव को जलाभिषेक का बहुत महत्व है। महाराजश्री ने बताया कि महादेव को जल बिल्वपत्र चढ़ाईये, महादेव को अर्पित कर नियमित रूप से बिल्व पत्र प्रसाद रूप में चबाकर खा लें तो गठिया की समस्या तक दूर हो जाता है। बिल्व पत्र को भंडार में तिजोरी में रखे समृध्दि बनी रहेगी।

श्रावण मास में शिवजी को अर्पित चरणामृत का पान करने से जिन्हें श्वास की बीमारी है उन्हें भी बीमारी से मुक्ति मिल जाती है। महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद महाराज ने कहा कि अगर हम सोचेंगे की हम बीमार है, शरीर दुख रहा है, तो बीमार पड़ जाएंगे। लेकिन सोचेंगे सर दुख रहा है ठीक हो जाएगा तो बिना दवाई के शरीर ठीक हो जाएगा।

संकल्प ही शक्ति है। जिन लोगों ने इस संसार में संकल्प लिये हैं उन्होंने ही इस सृष्टि का निर्माण किया है। सृष्टि से विश्वामित्र ने नए स्वर्ग का निर्माण करने का संकल्प लिया और उन्होंने निर्माण किया। मनुष्य संकल्पित होकर जीवन जिएगा, सुबह से सोच ले ये काम करना है, जो सोच लेगा तो कम से कम आधे काम तो वो कर ही लेगा।

नगर निगम ने सवारी निकलने के बाद की सफाई, मार्ग पुनः स्वच्छ

उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्वर सवारी मार्ग पर निगम द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में की जा रही है। सोमवार को बाबा की दुसरी सवारी निकलने से पूर्व नगर निगम को दो दिनों से हो रही लगातार बारीश के कारण सड़कों एवं घाटों पर फैले किचड की सफाई का कार्य करना था।

आयुक्त श्री आशीष पाठक के मार्गदर्शन एवं उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता के नेतृत्व में सम्पूर्ण सफाई अमला प्रातः से ही सवारी मार्ग की सफाई में जुट गया। निगम अमले द्वारा टेंकर एवं फायर फायटरों के माध्यम से सवारी मार्ग को धुलवाया गया।

निगम के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी रामघाट राणौजी की छत्री के पास जलस्तर कम होते हुए उसे भगवान श्री महाकालेश्वर की पालकी के पुजन अर्चन हेतु साफ एवं स्वच्छ बनाना। निगम सफाई अमले द्वारा इस चुनौती को स्वीकार करते हुए उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता के मार्गशन में 60 सफाई कर्मचारियों द्वारा जलस्तर कम होते हुए सफाई कार्य आरंभ कर दिया तथा सफाई उपरांत सम्पूर्ण घाट को फायर फायटर के माध्यम से धोया गया, सवारी रामघाट पहुंचने से पहले ही रामघाट पुजन स्थल को भगवान के आगमन हेतु साफ एवं स्वच्छ कर दिया गया।

इसी के साथ ही सवारी निकालने के पश्चात स्वास्थ्य विभाग के सफाई अमले के द्वारा सवारी मार्ग पर सफाई करते हुए मार्ग को पुनः स्वच्छ किया गया। इसी के साथ ही आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा स्वयं प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहकर संपूर्ण सवारी मार्ग का निरीक्षण करते हुए फील्ड में उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया गया। निगम द्वारा सफाई कार्य के साथ साथ पथ प्रकाश व्यवस्था, रामघाट पर पीए सिस्टम की व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नक्षत्र के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।

● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)